क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा थी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम में आपको नमस्कार। मैं आपको आज आमंत्रित करता हूँ कि मेरे साथ मिलकर जीवन के वचनों पर मनन करें।

इन खतरनाक समयों में, जहाँ धोखा और झूठी शिक्षाएँ फैली हुई हैं, यह अत्यंत आवश्यक है कि हम स्वयं की गहराई से जांच करें। अपने आप से पूछें: आपने अपने जीवन में किस आत्मा को स्थान दिया है? आपका जीवनशैली और व्यवहार यह दर्शाता है कि आप में कौन-सी आत्मा काम कर रही है। यदि आपका जीवन सांसारिक इच्छाओं से संचालित हो रहा है, तो यह संसार की आत्मा का प्रभाव है।

1 कुरिन्थियों 2:12 (ERV-HI):
“हमने संसार की आत्मा नहीं, वरन परमेश्वर की आत्मा को पाया
है, जिससे हम उन बातों को जान सकें जो परमेश्वर ने हमें उपहारस्वरूप दी हैं।”

यदि आपके कर्म पापमय हैं—जैसे चोरी, बेईमानी या छल तो ये इस बात के संकेत हैं कि कोई दूसरी आत्मा आप में काम कर रही है। यह जानना बहुत महत्वपूर्ण है कि आपकी जीवन-शैली को संचालित करने वाली आत्मा की प्रकृति क्या है।

क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा थी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

बाइबल कहती है कि दानिय्येल में एक असाधारण आत्मा थी।

दानिय्येल 6:3 (ERV-HI):
“दानिय्येल में एक असाधारण आत्मा पाई गई, जिसके कारण वह राज्यपालों और शासकों से श्रेष्ठ था, और राजा ने उसे
सम्पूर्ण राज्य पर अधिकार देने का विचार किया।”

एक “असाधारण आत्मा” का अर्थ क्या है? इसका मतलब है कि वह आत्मा सामान्य नहीं थी। दानिय्येल में जो आत्मा काम कर रही थी, वह विशेष, श्रेष्ठ और अद्वितीय थी। “असाधारण” शब्द इंगित करता है कि वह आत्मा दूसरों से उत्तम और अलग थी। आज के समय में कई आत्माएँ भ्रमित करती हैं—शैतान चालाक है और वह लोगों को यह विश्वास दिलाता है कि उन्होंने पवित्र आत्मा को प्राप्त किया है, जबकि वास्तव में वह एक झूठी और नकली आत्मा होती है।

दानिय्येल 5:12 (ERV-HI):
“क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा, बुद्धि, समझ, स्वप्नों का अर्थ बताने की शक्ति, रहस्यमयी बातों को सुलझाने और कठिन समस्याओं को हल करने की समझ पाई गई। अब दानिय्येल को बुलाओ, वह तुम्हें उसका अर्थ बताएगा।”

क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा थी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

दानिय्येल के पास ऐसी बुद्धि और समझ थी जो प्राकृतिक स्तर से परे थी। इसी प्रकार, जब हम विश्वासी पवित्र आत्मा को ग्रहण करते हैं, तो वही आत्मा हम में कार्य करता है और हमें परमेश्वर की इच्छा के अनुसार जीने में समर्थ बनाता है। पवित्र आत्मा का सच्चा प्रमाण केवल जीभों में बोलना या भविष्यवाणी करना नहीं है, बल्कि एक परिवर्तित जीवन है—एक ऐसा जीवन जो पवित्रता, विवेक और परमेश्वर की सच्चाई को समझने व उस पर चलने की शक्ति से परिपूर्ण हो।

दानिय्येल 6:4 (ERV-HI):
“राज्यपाल और शासक दानिय्येल पर कोई आरोप लगाने का कारण ढूँढ़ने लगे, परन्तु वे उसकी निष्ठा के कारण उस पर कोई दोष
या गलती नहीं पा सके।”

दानिय्येल का जीवन एक शक्तिशाली उदाहरण था ईमानदारी और सिद्धता का। लगातार निगरानी के बावजूद, कोई भी उस पर आरोप नहीं लगा पाया। उसकी परमेश्वर के प्रति निष्ठा और आज्ञाकारिता ने उसे निर्दोष सिद्ध किया। यही है असाधारण आत्मा का प्रभाव—एक जीवन जो पवित्रता, सच्चाई और परमेश्वर की इच्छा के प्रति समर्पण से भरा हो।

क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा थी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यदि आप कहते हैं कि आप उद्धार पाए हुए हैं, तो वह असाधारण आत्मा—पवित्र आत्मा—आप में भी निवास करना चाहिए। पवित्र आत्मा की उपस्थिति का पहला चिन्ह है पवित्रता—ऐसा जीवन जीने की चाह जो परमेश्वर की महिमा को प्रकट करे।

तो फिर क्यों बहुत से विश्वासी जीभों में बोलते हैं, भविष्यवाणी करते हैं, और धार्मिक गतिविधियाँ करते हैं, फिर भी उनके दैनिक जीवन में पवित्र आत्मा की श्रेष्ठता का कोई प्रमाण नहीं दिखाई देता? यह दुखद है कि कुछ लोग यह मानते हैं कि पवित्र जीवन जीना असंभव है, जबकि परमेश्वर का वचन स्पष्ट रूप से बताता है कि पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से यह संभव है। फिर भी बहुत से लोग अब भी सांसारिक जीवन जीते हैं—वस्त्र, भाषा और व्यवहार में समझौते करते हैं, जबकि वे स्वयं को मसीही कहते हैं।

क्या यह वास्तव में पवित्र आत्मा है जो उनमें काम कर रहा है? या फिर वह आत्मा भ्रष्ट हो चुकी है?

सुसमाचार यह है: वही असाधारण आत्मा—पवित्र आत्मा—फिर से आपके जीवन में कार्य कर सकता है। इसके लिए पश्चाताप और विश्वास की आवश्यकता है। आपको यह विश्वास करना होगा कि पवित्र जीवन संभव है और स्वयं को पूरी तरह पवित्र आत्मा के कार्य के अधीन कर देना होगा।

क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा थी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

रोमियों 8:13 (ERV-HI):
“यदि तुम अपनी पापी प्रकृति के अनुसार जीवन जीते हो, तो मर जाओगे। पर यदि तुम पवित्र आत्मा की सहायता से शरीर के दुष्कर्मों को समाप्त करते हो, तो जीवित रहोगे।”

आपको तैयार रहना होगा संसार से मुँह मोड़कर ऐसे जीवन के लिए जो परमेश्वर को भाए। इसके लिए विश्वास की आवश्यकता है यह विश्वास कि पवित्रता न केवल संभव है, बल्कि हर विश्वासी से अपेक्षित भी है। पवित्र आत्मा की सामर्थ्य से आप पाप पर जय प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन के हर क्षेत्र में मसीह को प्रतिबिंबित कर सकते हैं।

यदि आप स्वयं को पूरी तरह परमेश्वर को समर्पित करते हैं, तो वह आपके जीवन को रूपांतरित करेगा, ताकि आप धार्मिकता में चल सकें। लेकिन इसके लिए आपको पूरी तरह विश्वास, समर्पण और सांसारिक बातों का इनकार करना होगा।

प्रभु आपको आशीष दे।

कृपया इस आशा और परिवर्तन के संदेश को दूसरों के साथ भी साझा करें।

क्योंकि उसमें एक असाधारण आत्मा थी

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp